मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–001

एम. ए. (वैदिक अध्ययन) (एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.वी.एस.-001 : वेद-वेदांग परिचय

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में कुल* **दो** *खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।*

4×15=60

1. 'वेद' शब्द का तात्पर्य बताते हुए वैदिक शाखाओं का वर्णन कीजिए।
2. उपनिषद् का स्वरूप एवं प्रतिपाद्य विषय लिखिए।
3. आरण्यक साहित्य का विस्तारपूर्वक परिचय लिखिए।
4. सिद्ध कीजिए कि व्याकरणशास्त्र वेदांग है।
5. शिक्षा नामक वेदांग का विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. ज्योतिष नामक वेदांग का विस्तार से वर्णन कीजिए।

7. छन्दों के प्रयोजन और उनके ग्रन्थों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

8. अथववेद संहिता का विस्तार से परिचय दीजिए।

खण्ड—ख

***नोट** : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. ज्योतिष के किसी **एक** आचार्य का परिचय लिखिए।

2. व्याकरणशास्त्र के स्वरूप का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. ब्राह्मण साहित्य पर टिप्पणी लिखिए।

4. छन्द:शास्त्र का परिचय देते हुए सम्बद्ध ग्रन्थ का उल्लेख कीजिए।

5. गह्यसूत्र किसे कहते हैं ? संक्षेप में गृह्यसूत्र का वर्णन कीजिए।

6. 'उपनिषद् शिक्षाप्रद हैं।' समीक्षा कीजिए।

7. निरुक्त के प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

8. व्याकरण क्यों पढ़ना चाहिए ? अपने शब्दों में लिखिए।